

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

क्या आपका बच्चा 12वीं कक्षा में फेल हो गया ? बिना चिल्लाए उनका आत्मविश्वास कैसे बढ़ाया जाए ?

Publisher

Published on 05 May 2025



12वीं के नतीजे अभी घोषित हुए हैं । कुछ लोग इस परिणाम में सफल हुए, जबकि अन्य असफल रहे । अगर आपका बच्चा इस बार 12वीं की परीक्षा में फेल हो गया है तो उस पर गुस्सा न करे, उसे समझो और उसका आत्मविश्वास बढ़ाएं ।

आजकल बच्चों की सफलता का आकलन उनके परीक्षा अंकों के आधार पर किया जाता है । यह सवाल खासकर तब उठता है जब पड़ोसी या रिश्तेदार किसी बच्चे से उसके 10वीं या 12वीं कक्षा के अंकों के बारे में पूछते हैं । लेकिन परीक्षा में आपको जो अंक मिलेंगे वे सिर्फ संख्याएं हैं । यह उनका कैरियर नहीं है, यह उनका भविष्य है । ऐसे में माता-पिता के लिए अपने बच्चों की असफलता को लेकर परेशान होने की बजाय उसे समझाना ज्यादा जरूरी है ।

अगर आपका बच्चा भी इस 12वीं की परीक्षा में फेल हो गया है तो उसे मारने या ताना मारने का कोई मतलब नहीं है । ऐसी स्थिति में, माता-पिता के लिए यह आवश्यक है कि वे अपने बच्चों को हतोत्साहित किए बिना उनका आत्मविश्वास बढ़ाएं । ऐसे मामले में, माता-पिता को निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार करना चाहिए ।

बच्चे से खुलकर बात करें ।

शर्मिंदगी के कारण बच्चे अपने माता-पिता से इस विषय पर बात करने में झिझकते हैं । ऐसी परिस्थितियों में, माता-पिता को उनसे खुलकर बात करनी चाहिए तथा उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करनी चाहिए, न कि ऐसा व्यवहार करना चाहिए जिससे उन्हें और अधिक शर्मिंदा होना पड़े । बच्चों को प्रोत्साहित करें और उन्हें अपनी गलतियों से सीखने का अवसर देकर आगे बढ़ने के लिए कहें ।

इस समय बच्चों का समर्थन करें

बच्चों, विशेषकर किशोरों, के साथ समस्या यह है कि वे कठिन समय में मदद नहीं मांगते। ऐसी स्थिति में आपको आगे बढ़कर उन्हें बताना होगा कि आप किसी भी तरह की मदद के लिए हमेशा तैयार हैं। यह वह समय है जब उनके माता-पिता उन्हें मित्र के रूप में अपने करीब रखना चाहते हैं। वे जैसे हैं, उन्हें वैसे ही स्वीकार करें।

अवसाद को रोकें

हर बच्चा अपने माता-पिता को खुश रखना चाहता है। ऐसे में जब वे परीक्षा में असफल हो जाते हैं तो उन्हें अपराध बोध होने लगता है, जिससे वे अवसाद की ओर बढ़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में उन पर अत्यधिक तनाव डालने या उन्हें दंडित करने के बजाय यह देखना जरूरी है कि कहीं आपका बच्चा अवसाद में तो नहीं जा रहा है। इससे बच्चे का भावी जीवन बर्बाद हो सकता है। बच्चों के साथ संवाद करें।

बहुत ज्यादा उम्मीद मत रखो।

अपने बच्चों के भविष्य के लिए अवास्तविक अपेक्षाएँ न रखें। ऐसा करने से बच्चों पर दबाव पड़ता है और उनका प्रदर्शन खराब होता है। ऐसी स्थिति में यदि बच्चा असफल हो गया है तो साथ बैठकर नया लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने में उसकी मदद करें। इसके लिए आपको एक योजना बनानी चाहिए और उसकी तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि कैरियर चुनते समय कोई तनाव न हो।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.